CVG - 001

वैदिक गणित में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

कार्यक्रम कोड : CVG

पाठ्यक्रम – संस्कृत में गणितीय परम्परा
पाठ्यक्रम कोड : CVG - 001

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025 एवं जनवरी 2026 सत्रों के लिए

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाचँ सत्रीय कार्य (**TMA**) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठय सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं ? यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सके।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करे जैसा आगे दिखाया गया है ।

अनुक्रमांक : .....
नाम : .....
पता और दिनाँक : .....

पाठ्यक्रम का शीर्षक /कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर 2025

जनवरी 2026 सत्र के लिए : 31 मार्च 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्यके प्रश्न के सम्बन्ध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हे ं तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व ें नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए आरै प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करे। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

(क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो

(ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण सम्बन्धी गलतियो से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातो ं पर आप जारे देना चाहते हैं, उन्हे ं रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ

सत्रीय कार्य : 2025 - 2026

वैदिक गणित में प्रमाणपत्र कार्यक्रम
पाठ्यक्रम – संस्कृत में गणितीय परम्परा (CVG 001)

पाठ्यक्रम कोड – **CVG 001**
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत में गणितीय परम्परा
सत्रीय कार्य – **CVG 001/TMA/2025 -2026**

पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

1. अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार (04) प्रश्नों के उत्तर लिखिए **4x15 =60**

क . वैदिक गणित के उद्भव पर प्रकाश डालिए ।

ख. आर्यभट्ट और उनके गणितपाद पर लेख लिखिए ।

ग. संख्यास्थानानि और संख्यासारणि प्रणाली के विदेशों में प्रसार पर लेख लिखिए ।

घ. प्राचीन भारत में गणित के विकास पर प्रकाश डालिए ।

ड. वैदिक गणित में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों का वर्णन कीजिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार (04) पर टिप्पणी लिखिए **4x10 =40**

क. भारतीय गणित की उपयोगीता

ख. लगध ज्योतिष का महत्व

ग. तीन का नियम

घ. जैनकालीन गणित

ड. व्यवकलित को उदाहरण सहित लिखिए